सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयः
तमसो मा ज्योतिर्गमय
दर्शनसंकाय
भूतलम्
प्रथमतलम्
बहुसङ्कायभवनम्
द्वितीयतलम्
तृतीयतलम्

संकायाध्यक्ष
प्रो0 शम्भुनाथ शुक्ल
बहुसङ्कायभवनम्

# इतिहास

दर्शन संकाय की स्थापना दर्शन विद्या स्थान के विषयों की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली 1978 के लागू होने के साथ हुई (1980 ई0) दर्शन के विषयों का अध्यापन 1791 ई0 से निरन्तर होता आया है। 1958 ई0 में पहली बार विभागों का निर्माण हुआ, जिसमें दर्शन, प्राचीन व्याकरण एवं आगम विभाग था। इसी प्रकार वेदांत एवं सांख्ययोग विभाग, न्याय विभाग अलग कार्यरत थे। 1965 ई0 में योगतन्त्र विभाग की स्थापना हुई। 1980 ई0 से समानतन्त्र सम्प्रदायों को आधार बनाकर विभाग बने और पॉच विभागों का दर्शन संकाय अस्तित्व में आया।

# ध्येयदृष्टि

- भारतीय दर्शन के विविध सम्प्रदायों का गम्भीर अध्ययन अध्यापन।
- भारतीय दार्शनिक विधियों का यथा-वाद पद्धति का दार्शनिक चिन्तन में अनुप्रयोग।
- आकर ग्रन्थों का सूत्र भाष्य वार्तिक आदि व्याख्या ग्रन्थों के क्रम में अध्ययन अध्यापन।
- सभी सम्प्रदायों पर शास्त्रार्थ विधि से अनुसंधान।
- भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों का तुलनात्मक अध्ययन अध्यापन एवं अनुसंधान।
- विश्वधर्मदर्शन के साथ भारतीय दर्शन के विविध सम्प्रदायों का तुलनात्मक शिक्षण एवं अनुसंधान।

# संकाय के अन्तर्गत विभाग/विभागाध्यक्ष

1. सांख्ययोगतन्त्रागम विभाग – प्रो० राघवेन्द्र जी दुबे

2. न्यायवैशेषिक विभाग – प्रो० रामपूजन पाण्डेय

3. पूर्वमीमांसा विभाग – प्रो० शम्भुनाथ शुक्ल

4. वेदान्त विभाग – प्रो० सुधाकर मिश्र

5. तुलनात्मकधर्मदर्शन विभाग – प्रो० रजनीश कुमार शुक्ल

# संकाय के कार्यक्रम/उपाधियाँ

शास्त्री

आचार्य

विद्या-वारिधि

वाचस्पति

योग डिप्लोमा

योग शास्त्री (बी.ए.)

योग आचार्य (एम.ए.)

# संकाय में विगत पाँच वर्षो में छात्रों की संख्या

## सत्र – 2018-2024

| | |
|---|---|
| शास्त्री I | 246 |
| शास्त्री II | 168 |
| शास्त्री III | 129 |
| आचार्य I | 143 |
| आचार्य I | 91 |

# वर्तमान शैक्षणिक सत्र में छात्रों की संख्या

| | |
|---|---|
| शास्त्री I | 28 |
| शास्त्री II | 31 |
| शास्त्री III | 35 |
| आचार्य I | 50 |
| आचार्य II | 26 |
| योग | 170 |

# संकाय के शोध छात्रों का विवरण

सत्र – 2018-2024

| | |
|---|---|
| दर्शनसंकाय | 91 |
| वर्तमान सत्र में शोध छात्र | 45 |

# संकाय में विगत पाँच वर्षो के परीक्षा परिणाम प्रतिशत

## सत्र – 2018-2024

| | |
|---|---|
| शास्त्री I | 93.6 |
| शास्त्री II | 98.2 |
| शास्त्री III | 98.2 |
| आचार्य I | 94.3 |
| आचार्य II | 98.6 |

# संकाय में शैक्षणिक पदों की स्थिति

| विभाग | आचार्य स्वीकृत | आचार्य पूरित | आचार्य रिक्त | सह आचार्य स्वीकृत | सह आचार्य पूरित | सह आचार्य रिक्त | सहा. आचार्य स्वीकृत | सहा. आचार्य पूरित | सहा. आचार्य रिक्त |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सांख्योग तन्त्रागम | 01 | 00 | 01 | 00 | 00 | 00 | 09 | 01 | 08 |
| न्यायवैशेषिक | 01 | 01 | 00 | 00 | 00 | 00 | 03 | 02 | 01 |
| पूर्व मीमांसा | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 01 | 00 | 01 |
| वेदान्त | 01 | 00 | 01 | 01 | 00 | 01 | 04 | 02 | 02 |
| तुलनात्मक धर्म दर्शन | 01 | 00 | 01 | 00 | 00 | 00 | 02 | 01 | 01 |

# संकाय में गैर शैक्षणिक पदों की स्थिति

| विभाग | लिपिक स्वीकृत | लिपिक पूरित | लिपिक रिक्त | परिचारक स्वीकृत | परिचारक पूरित | परिचारक रिक्त |
|---|---|---|---|---|---|---|
| संकाय कार्यालय | 01 | 01 | 00 | 01 | 01 | 00 |
| सांख्योग तंत्रागम | 01 | 01 | 00 | 01 | 01 | 00 |
| न्यायवैशेषिक | 01 | 01 | 00 | 01 | 00 | 01 |
| पूर्व मीमांसा | 01 | 01 | 00 | 01 | 00 | 01 |
| वेदान्त | 01 | 01 | 00 | 01 | 00 | 01 |
| तुलनात्मक धर्म दर्शन | 01 | 01 | 00 | 01 | 01 | 00 |

# संकाय की सुविधाएं

1. विभागीय पुस्तकालय

2. योग प्रशिक्षण

# संकाय में समिति

## संकाय बोर्ड

# संकाय में शोध पीठ

## सद्गुरु रामसिंह पीठ

नामधारी सम्प्रदाय के धर्मदर्शन एवं इतिहास पर अनुसंधान के लिये नामधारी दरबार के अनुदान से स्थापित।

# शिक्षण विधि

- पारम्परिक विधि
- व्याख्यान विधि
- शास्त्रार्थ विधि
- कथा विधि

# अध्यापकों की शैक्षणिक योग्यता विवरण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. प्रो0 रामकिशोर त्रिपाठी | आचार्य, विद्या-वारिधि, | वाचस्पति | (सत्रांत लाभ) |
| 2. प्रो0 रामपूजन पाण्डेय | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | |
| 3. प्रो0 हरि प्रसाद अधिकारी | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | (सत्रांत लाभ) |
| 4. प्रो0 रजनीश शुक्ल | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | |
| 5. प्रो0 सुधाकर मिश्र | आचार्य, विद्या-वारिधि, | वाचस्पति | |
| 6. प्रो0 शम्भुनाथ शुक्ल | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | |
| 7. प्रो0 कमला कान्त त्रिपाठी | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | (सत्रांत लाभ) |
| 8. प्रो0 राघवेन्द्र जी दूबे | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | |
| 9. डॉ0 कुंज बिहारी द्विवेदी | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | |
| 10. डॉ0 दुर्गेश पाठक | आचार्य, विद्या-वारिधि, | | |

# प्रकाशन विवरण

सत्र - 2018-2024

23

# संकाय के प्रमुख कार्यक्रम

| | |
|---|---|
| कार्यशाला | न्याय सिद्धान्त मुक्तावली अनुमान खण्ड 25.05.2020 से 31.05.2020 तक |
| कार्यशाला | योग विज्ञान विषये शास्त्रपरिचयः 17.11.2024 से 07.12.2024 तक |
| व्याखानमाला | महामहोपाध्याय पं0 गोपीनाथ कविराज व्याख्यानमाला<br>आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल व्याख्यानमाला<br>आर.टी.एच. ग्रिफिथ व्याख्यानमाला |
| वाग्वर्धिनी सभा | प्रतिमास |

# संकाय के पुरातन विशिष्ट छात्र

1. प्रो0 नरेन्द्र नाथ पाण्डेय पूर्व कुलपति सं. सं. वि. वि. वाराणसी
2. जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ज्योतिष पीठ
3. प्रो0 के नारायण भट्ट संस्कृत विभागाध्यक्ष मैसूर विश्वविद्यालय
4. प्रो0 धनंजय कुमार पाण्डेय संस्कृत विद्याधर्म विज्ञान विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी
5. डॉ0 दीर्घराज धिमिरे नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय नेपाल
6. प्रो0 अवधेश कुमार चौबे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली
7. प्रो0 पूर्णिमा रघुवर महात्मागाधी संस्थान मारिसस
8. पुष्प लाल निरौला डायरेक्टर यूनेस्को भूटान
9. डॉ0 नरेन्द्र कौशल सहायक प्राध्यापक राजकीय संस्कृत महाविद्यालय शिमला
10. प्रो0 श्रीराम पाण्डेय राष्ट्रपति सम्मानित
11. पद्मभूषण प्रो0 वशिष्ठ त्रिपाठी राष्ट्रपति सम्मानित

# संकाय की भावी योजनाएं एवं सम्भावनाएं

1. भारतीय ज्ञान परम्परा के लिए सर्वसम्प्रदाय स्वीकार्य ज्ञान मीमांसा (प्रमाण शास्त्र) के लिए अनुसंधान।
2. दर्शन के विविध सम्प्रदायों में विस्तारित कथा विधियों का अन्य शास्त्रों में अनुप्रयोग की सम्भावना पर अनुसंधान।
3. भारतीय दर्शन के समग्र इतिहास का सम्प्रदायानुसार लेखन।
4. राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 के क्रियान्वयन के लिए समीक्षात्मक चिन्तन विधि का भारत केन्द्रित विकास।

धन्यवाद